

NA/265/2025
पुणे / अहवाल

करनामागदा) अशीमात्र नै कम्पन त्रिगति अदि अशीस का क्षेत्राधिकार
न्यायालय को नही है जो उक्तरण लेटा दिया जाये। जिसके कोई
अधपति नही है।

पञ्जावली में अशीस मैमों व पञ्जुर दस्तावेजों का अकाउंट
दिया गया अदि. न्यायालय के आदेश का भी अधपन क्रिमागदा
अदि. न्यायालय में उक्तरण अर्जात धारा 136 प्र-सजत्य अधिनियम
का है। लिपिदिप बुटि है अशीमात्र द्वारा पञ्जावली इस न्यायालय
में दर्ज करा दी गई है। धारा 136 प्र-सजत्य अधिनियम
में अशीस अन्त न्यायालय में कि जाती है। इस धारा की अशीस
का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को नही है। अशीमात्र/अशीस
को निर्देश दिने जाये कि सक्षम न्यायालय में अशीस दापर
कर लकने है। इस न्यायालय में इस पर कोई अर्जवाही अर्जोस्त
नही है। उक्तरण वही स्तर पर ड्रॉप किया जाऊ नम्बर से
कम किया जाया है।

hp
2/2/26
धु-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदैन
राजस्व अपील प्राधिकारी, भीलवाड़ा

